>

Title: Need to provide assistance for drought and flood affected areas of Bihar.

**श्री जगदानंद सिंह (बक्सर):** सभापति जी, बाढ़ से ग्रसित इलाकों में बिहार का पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें प्रमुख बक्सर और भोजपुर जिला है। वहां पर लाखों की आबादी आज से नहीं करीब दो महीने से बाढ़ से घिरी हुई है। उत्तराखंड की बारिश के बाद जो वहां परेशानी हुई, उस पानी ने नीचे जाकर पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के सारे इलाकों को डुबो दिया है। पानी की मात्रा से अधिक परेशानी इस बाढ़ की अवधि से है। हम लोगों ने कभी नहीं देखा था कि गंगा का पानी दो महीने तक लोगों को प्रभावित करता हो। लोग बांध पर अपने मवेशियों के साथ शरण लिए हुए हैं। आवागमन के कोई साधन नहीं हैं। मजदूरों को कोई काम नहीं है, किसानों की खरीफ की खड़ी फसल चली गई है। इतनी परेशानी है जिसकी कल्पना नहीं कर सकते थे, वह परेशानी हमें झेलनी पड़ी है। उत्तराखंड की तरफ पूरे देश की निगाह चली गई, लेकिन उसी समय यदि भारत सरकार सोचती कि गंगा का पानी उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल होते हुए समुद्र में जाएगा, तो निश्चित रूप से इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। बिहार सरकार अपने सीमित साधनों के तहत जो कर पा रही है, वह लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है। दवाओं के लिए लोगों को नाव में बैठकर दो-तीन और चार किलोमीटर तक अपने रोगियों को ले जाना पड़ता है। मजदूरों के लिए कोई काम नहीं इसलिए भूखे लोग परेशान हैं। उनके मवेशियों के लिए चारा नहीं है। इस पानी के चलते रोगों की भरमार हो गई है। इतनी परेशानी है कि जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। बक्सर का सेमरी प्रखंड, चौसा, बक्सर, ब्रह्मपुर और चक्की इत्यादि सारे प्रखंड पानी में डूबे हुए हैं। गंगा की सहायक नदियां ठोरा, मैसहा, धर्मावती, गगिया और जो जुड़े हुए भागड़ हैं, सबमें काफी पानी है। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि यह ठीक है कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन राज्य और केन्द्र दोनों को मिलकर आपदा प्रबंधन को करते हैं, वह करना चाहिए। अभी बिहार सरकार नहीं सुनती है तो भारत सरकार से मांग करता हूं कि वह तत्काल इसमें हस्तक्षेप करे और वहां के लोगों के जन-जीवन की रक्षा करे। वरना भूख से तड़पते हुए लोगों को बचाना मुश्किल हो जाएगा, जानवरों को बचाना मुश्किल हो जाएगा। उनके लिए चारा उपलब्ध कराना है, दवा उपलब्ध कराना है और बाढ़ के बाद जो समस्या होगी, उससे भी निपटने की तैयारी निश्चित रूप से करनी होगी।